RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 12 जून 2023 वर्ष 05 अंक 51 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मंत्रिमंडल विस्तार के पहले बड़ी खबर...

एकनाथ शिंदे गुट के पांच मंत्री हटेंगे? इस नेता ने किया दावा

महाराष्ट्र : आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महाराष्ट्र में सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। यह भी चर्चा चल रही है कि जल्द ही शिंदे- फडणवीस सरकार का दूसरा कैबिनेट विस्तार होगा। इस बीच, यह दावा किया जा रहा है कि बीजेपी आलाकमान की तरफ से महाराष्ट्र सरकार में एकनाथ शिंदे के पांच मंत्रियों को हटाए जाने की बात कही गई है। एकनाथ शिंदे गुट के पांच नेताओं को मंत्रिपद से हटाने का दावा एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे ने किया है। एकनाथ खडसे के इस बयान से राजनीतिक हलकों में अफरातफरी मच गयी है। खडसे के मुताबिक इन पांच मंत्रियों में से एक नाम गुलाबराव पाटिल का भी है। बता दें कि बीती 4 जून को महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस ने दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इसलिए जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार होने की बात सामने आ रही

है। उत्तर महाराष्ट्र में एनसीपी के दिग्गज नेता एकनाथ खडसे ने कहा कि राज्य में कई जगहों पर बीजेपी और शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के बीच मतभेद सामने आ रहे हैं। मीडिया में इस तरह कि खबर सामने आ रही है कि बीजेपी आलाकमान ने स्टैंड लिया है कि महाराष्ट्र में शिवसेना के पांच कैबिनेट मंत्रियों को पद से हटाया जाना चाहिए। बीजेपी को लगता है कि यह पांचों मंत्री निष्क्रिय हैं। दरअसल यह मंत्री बीजेपी कार्यकताओं का काम मंत्री नहीं करते। इसलिए उनमें बीच में मतभेद हैं। इसमें जलगांव जिले के संरक्षक मंत्री गुलाबराव पाटिल भी शामिल हैं। जलजीवन मिशन योजना का काम पूरा नहीं हो पाया है। इस काम में भ्रष्टाचार की भी आशंका है। इस संबंध में एक रिपोर्ट दिल्ली में सीनियर लीडर्स के पास गई है। इसलिए एकनाथ खडसे ने यह सनसनीखेज दावा किया कि बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं ने यह स्टैंड लिया है कि गुलाबराव पाटिल को हटाया जाना चाहिए। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे गुट और एनसीपी ने शनिवार को कहा कि बीजेपी एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को हर एक लोकसभा सीट के लिए रुलाएगी। एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत के प्रतिनिधित्व वाली कल्याण लोकसभा सीट पर सत्तारूढ़ गठबंधन में कलह के बीच महाविकास अघाड़ी ने यह टिप्पणी की है। दरअसल श्रीकांत शिंदे ने शुक्रवार को कहा था कि कुछ नेता अपनी स्वार्थी राजनीति के लिए डोंबिवली क्षेत्र (कल्याण लोकसभा सीट के तहत) में गठबंधन में बाधा पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। श्रीकांत शिंदे ने कहा कि वह यह सीट छोड़ने के लिए तैयार हैं क्योंकि उनका उद्देश्य साल 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ नरेंद्र मोदी सरकार की वापसी सुनिश्चित करना है। कहा कि कल्याण-डोंबिवली क्षेत्र (अविभाजित) शिवसेना का गढ़ था और पार्टी वर्षों से वहां से जीत रही थी। वह सीट श्रीकांत शिंदे को दी गई थी, जिनका पार्टी से कोई संबंध नहीं था। उद्धव ठाकरे ने एकनाथ शिंदे के बेटे से बड़ा लाड़-प्यार किया था। बीजेपी अब उन्हें (एकनाथ शिंदे) को हर एक सीट के लिए रुलाएगी

मुंबई के दादर में युवा सेना के नेता को चाकू मारा गया... हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

दादर : दादर के सेवरी में युवा सेना के एक नेता को कथित रूप से चाकू मारने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों की पहचान विवेक शेट्टीयार और सिद्धेश भोसले उर्फ चॉकलेट के रूप में हुई है। जब वह हिंदमाता सिनेमा के पास अपने टेम्पो चालक का इंतजार कर रहा था, तभी एक बाइक पर दो लोग आए, उससे बहस हो गई और उनमें से एक ने चाकू निकालकर जावले की छाती, पीठ, जांघ और हाथों पर वार करना शुरू कर दिया. राहगीरों ने बीच-बचाव का प्रयास किया तो दोनों मौके से फरार हो गए । आरएके मार्ग पुलिस थाना के अनुसार, यह घटना गुरुवार को हुई, जब पीड़ित झ स्वामी प्रदीप जावले 29 युवा सेना, मुंबई के समन्वयक - अपने दोस्त सचिन थोराट के साथ एक फुटबॉल टूनार्मेंट

के लिए पैम्फलेट लेने गए थे, जिसे उन्होंने शिंदेवाड़ी ग्राउंड में आयोजित किया था। हिंदमाता के पास, दादर पूर्व । पुलिस ने कहा कि स्वामी ने 13 जून को युवा सेना प्रमुख आदित्य ठाकरे के जन्मदिन के अवसर पर टूनार्मेंट की व्यवस्था की थी। शेट्टीयार और भोसले के रूप में हमलावर, जिनके खिलाफ पहले से ही कई मामले दर्ज थे ।' पुलिस ने दोनों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है।

गाजियाबाद के धर्मांतरण मामले का आरोपी शाहनवाज अलीबाग के लॉज से गिरफ्तार

ठाणे : गाजियाबाद के धर्मांतरण मामले का आरोपी शाहनवाजअलीबाग के लॉज से गिरफ्तार , गाजियाबाद में 400 लोगों के धर्मांतरण मामले में फरार चल रहे आरोपी शाहनवाज को आज ठाणे और गाजियाबाद पुलिस ने मिलकर अलीबाग के लॉज से गिरफ्तार किया है । बता दे अलीबाग के एक लॉज में अपने भाई के साथ आरोपी शाहनवाज रुका हुआ था जिसके बाद पुलिस ने छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया है और मुंब्रा पुलिस स्टेशन लाया है अब आगे की कानूनी कार्रवाई के बाद ही पता चल पाएगा कि 400 लोगों का धर्मांतरण का जो आरोप था वह क्या सच है? गाज़ियाबाद पुलिस ने आरोपी शाहनवाज खान उर्फ बद्दो को ऑनलाइन गेमिंग एप्लीकेशन के जरिए बच्चों के धर्म परिवर्तन में शामिल रैकेट चलाने के आरोप में महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले से गिरफ्तार किया है. एक अधिकारी

लड़के का जबरन धर्म परिवर्तन कराने का आरोप...

इस मामले में मुंब्रा पुलिस और गाजियाबाद पुलिस ने मिलकर शाहनवाज को महाराष्ट्र के अलीबाग से गिरफ्तार किया है. शाहनवाज पर लड़के का जबरन धर्म परिवर्तन कराने का आरोप है. अलीबाग और मुंब्रा पुलिस पिछले कई दिनों से संयुक्त अभियान के तहत शाहनवाज की तलाश कर रही थी. लेकिन वह बार-बार ठिकाना बदल रहा था. इस दौरान उसके परिजनों से पूछताछ की गई. इस दौरान उसकी कॉल डिटेल से पता चला कि आरोपी मुंबई के वर्ली में छिपा हुआ है. इसके बाद जब पुलिस वर्ली पहुंची तो शाहनवाज वहां से भागकर रायगढ़ के अलीबाग चला गया और एक लॉज में छिप गया. फिर पुलिस वहां पहुंची और रात भर चेकिंग की. इसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया. पूछताछ में उसने बताया कि दोनों की एक-दूसरे को साल 2021 में फोर्टनाइट गेमिंग ऐप के जरिए जान पहचान हुई थी. इसके बाद वे एक-दूसरे से बात करने के लिए डिस्कॉर्ड का इस्तेमाल करने लगे. फिर फोन पर भी बात करने लगा.

ने बताया कि उसे अलीबाग शहर से गिरफ्तार किया गया है. आरोपी ठाणे जिले के मुंब्रा का रहने वाला है. गाजियाबाद पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी. गौरतलब है कि पिछले दिनों गाजियाबाद में एक ऑनलाइन गेमिंग एप्लीकेशन के जरिए धर्म परिवर्तन का मामला सामने आया था. इसमें शाहनवाज खान और गाजियाबाद की एक मस्जिद के मौलवी के खिलाफ अवैध धर्मांतरण निषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी. पुलिस ने कहा था कि गाजियाबाद के एक व्यक्ति ने पिछले महीने शिकायत दर्ज कराई थी कि मौलवी अब्दुल रहमान और बद्दो ने हाल ही में 12वीं पास करने वाले उसके बेटे का धर्मांतरण कराया था.

चैट में इस्लाम में शामिल होने के फायदे बताता था

इसके बाद दोनों ने फोर्टनाइट पर गेम खेलना बंद कर दिया. लेकिन, 2021 के दिसंबर में वेलोरेंट गेम के जरिए दोनों ने फिर से गेम खेलना शुरू किया. डिस्कॉर्ड एप पर शाहनवाज की अच्छी रैंकिंग से आकर्षित होकर लड़के उससे चैटिंग किया करते थे. इस बीच शाहनवाज लड़कों को बरगलाया करता था और चैट में ही इस्लाम में शामिल होने के फायदे बता देता था. आपको बता दें कि बच्चों को समझा-बुझाकर धर्म परिवर्तन का यह पूरा खेल दो चरणों में अंजाम दिया गया था. पहला कदम है बच्चों के साथ ऑनलाइन गेम खेलना और दूसरे चरण में बच्चों के साथ एक ऐप के जरिए चैट करना और उन्हें इस्लाम के फायदे बताना. पहले चरण में हैंडलर हिंदू नामों से आईडी बनाते थे. तब हिंदू बच्चों को 'फोर्टनाइट' गेम खेलने के लिए उकसाते थे. असली खेल तो तब शुरू हुआ जब बच्चा हार गया. खेल हारने के बाद,

'बद्दो के कहने पर कबूला इस्लाम...'

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसका बेटा एक ऑनलाइन गेमिंग ऐप के जरिए बद्दो के संपर्क में आया और उससे अक्सर बात करता था. इसके बाद उनका रुझान इस्लाम अपनाने की ओर हुआ. लड़के ने अपने पिता से कहा था कि बद्दो के समझाने पर उसने इस्लाम कबूल कर लिया है.

बच्चे को बताया गया कि यदि वह कुरान की एक आयत पढ़ेगा तो वह जीत जाएगा. इसके बाद जब बालक ने श्लोक पढ़कर खेल खेला तो उसे एक षड़यंत्र के तहत जिता दिया गया. इस तरह बच्चे का रुझान मुस्लिम धर्म की तरफ बढ़ गया होगा. इसके बाद दूसरा चरण शुरू होगा। 'डिस्कॉर्ड' एप के जरिए बच्चे से चैटिंग की जाती थी। बच्चे का भरोसा जीतने के बाद उसे इस्लाम के बारे में जानकारी दी गई.

संपादकीय / लेख

कनाडा की जवाबदेही...!

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

यूं तो कनाडा की धरती से भारत विरोधी गतिविधियों की खबरें अक्सर आती रहती हैं लेकिन बीते सप्ताह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी निकालने की घटना ने सभी हदें पार कर दी। जो बताती है कि कनाडा में भारत विरोधी पृथकतावादियों के हौसले कितने बुलंद हैं और उन्हें सत्ता में शामिल लोगों का संरक्षण मिला हुआ है। चार जून को हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हर भारतीय राष्ट्रवादी उद्वेलित हुआ है। जिसके चलते भारत सरकार ने भी घटना का कड़ा प्रतिवाद किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कड़े शब्दों में कहा है कि ये घटना न तो भारत–कनाडा संबंधों के लिये और न ही कनाडा के लिये ठीक है। यूं तो कहने के लिये भारत में कनाडा के उच्चायुक्त कैमरन मैक ने इस घटना की निंदा की है, और कहा है कि उनके देश में हिंसा व नफरत के महिमामंडन के लिये कोई स्थान नहीं है। लेकिन वहीं कनाडा सरकार के एक मंत्री ने भारत पर उसके अंदरूनी मामलों में दखल देने का कुतर्क दोहराया है। दरअसल, कनाडा को समझ नहीं आ रहा है कि चरमपंथ, पृथकतावाद और हिंसा की तपिश का ताप देर–सवेर उसे भी महसूस करना पड़ेगा। दुनिया के कई देशों ने ऐसे कृत्यों को संरक्षण की कालांतर कीमत चुकायी है। इस बात का अहसास कनाडा के हुक्मरानों को जितनी जल्दी हो सके, अच्छा है। दरअसल, कनाडा में अलगाववादियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि कभी वे पृथक देश के मुद्दे पर जनमत संग्रह की बात करते हैं, कभी भारतीय उच्चायोग को घेरते हैं, भारतीयों पर हमले करते तो कभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं। जिसको देखकर भी कनाडा सरकार चुप्पी साध लेती है। दरअसल, अलगाववादी उस स्याह सच पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं जिसकी बड़ी कीमत पंजाब ने चुकायी है। बड़ी कुबार्नी देकर पंजाब आज शांत माहौल में प्रगति के नये आयाम स्थापित कर रहा है।

निस्संदेह, ऐसा भी नहीं है कि कनाडा में रहने वाले सारे भारतीय मूल के लोग अलगाववाद के पक्षधर हैं। आज कनाडा विकास के जो नये मानक स्थापित कर रहा है उसमें पंजाब के लोगों का बड़ा योगदान है। लेकिन सकारात्मकता और नकारात्मकता के बीच स्पष्ट विभाजन जरूरी है। विडंबना यह है कि वोट बैंक की पॉलिटिक्स के चलते कनाडा सरकार चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करने से गुरेज कर रही है। दरअसल, पंजाब मूल के लोगों के वर्चस्व वाले एक राजनीतिक दल का टूडो सरकार की वैशाखी होना भी इस तरह की घटनाओं के प्रति वहां सरकार की अनदेखी की एक वजह है। इस दल में भी अलगाववादियों का दबदबा बताया जाता है। जाहिर है जब तक भारत कनाडा सरकार पर कूटनीतिक दबाव नहीं बनायेगा तब तक इन बेलगाम हरकतों पर काबू पाना मुश्किल होगा, तब तक ब्रैंपटन शहर जैसी परेड की घटनाएं दोहरायी जाती रहेंगी। जो किसी भी सभ्य समाज को परेशान करती रहेंगी। इतना ही नहीं कनाडा की धरती से जो भारत विरोधी गतिविधियों व अपराध का संचालन हो रहा है उसे रोकने के लिये भी केंद्र सरकार को सजग रहना होगा। वहीं दूसरी ओर कनाडा में पढ़ने गये सात सौ के करीब छात्रों के भविष्य को लेकर उठ रहे सवाल भी परेशान करने वाले हैं। एजेंटों की धोखाधड़ी से कनाडा गये ये छात्र पढ़ाई के बाद कनाडा में नौकरी भी कर रहे हैं। लेकिन जब उन्होंने स्थायी नागरिकता के लिये आवेदन किया तो पाया गया कि उनके कागज जाली थे। जिसके चलते कनाडा सरकार उन्हें वापस भारत भेजने का प्रयास कर रही है। जिसके खिलाफ ये छात्र आंदोलनरत हैं और इसकी सरगर्मी पंजाब में भी दिखायी दे रही है। हालांकि, कनाडा के प्रधानमंत्री ने मामले के न्यायसंगत समाधान का वायदा किया है लेकिन इन छात्रों के भविष्य पर तलवार तो लटक ही रही है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

भतीजे अजित पवार को NCP में क्यों नहीं मिला पद?

शरद पवार ने खोला 'राज'!

महाराष्ट्र : शरद पवार की पार्टी एनसीपी में शनिवार को बड़े बदलाव किए गए. शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले और पार्टी नेता प्रफुल्ल पटेल को एनसीपी का कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया. इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि ये सब शरद पवार के भतीजे अजित पवार को पावरगेम से बाहर करने के लिए किया गया है. हर कोई इसी बात का जवाब जानना चाह रहा है कि अजित पवार को पार्टी में पद क्यों नहीं दिया गया. हालांकि, अब इस पर शरद पवार बयान दे चुके हैं. शरद पवार ने बताया कि उनके भतीजे अजित पवार को पार्टी में पद क्यों नहीं दिया गया? इसकी वज ह क्या है. आइए एनसीपी में चल रहे पावरगेम के बारे में जानते हैं. एनसीपी चीफ शरद पवार ने कहा कि पार्टी के 2 कार्यकारी अध्यक्षों की नियुक्ति करने का उनका निर्णय ये सुनिश्चित करने के लिए है कि एनसीपी के आलाकमान के पास देश भर में पार्टी के मामलों पर नजर रखने के लिए पर्याप्त हाथ हों. सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल को एनसीपी का कार्यकारी अध्यक्ष एपॉइंट करने के बाद शरद पवार ने कहा कि देश में हालात ऐसे हैं कि सभी राज्यों का जिम्मा सिर्फ एक शख्स को देना गलत होगा.

सुप्रिया को क्यों बनाया कार्यकारी अध्यक्ष?

शरद पवार से जब ये पूछा गया कि क्या प्रफुल्ल पटेल और सुप्रिया सुले को कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का फैसला अजित पवार को बुरा नहीं लगेगा. इसके जवाब में एनसीपी चीफ शरद पवार ने कहा कि उनके भतीजे अजित पवार पहले से ही काफी जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं. महाराष्ट्र विधानसभा में अजित पवार विपक्ष के नेता हैं.

जब अजित पवार ने मिला लिया था BJP से हाथ

गौरतलब है कि शरद पवार ने एनसीपी के 24 वर्ष पूरे होने पर पार्टी की वर्षगांठ के दिन ही दो कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की. जान लें कि अजित पवार ने साल 2019 में बीजेपी के साथ हाथ मिला लिया था. देवेंद्र फडणवीस मौजूदगी में मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री के तौर पर शपथ भी ले ली थी.

राज्य में विभिन्न सड़कों पर 1,004 दुर्घटना संभावित क्षेत्र, राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे अधिक 610 'ब्लैक स्पॉट'

मुंबई : राज्य में विभिन्न सड़कों पर १,००४ दुर्घटना संभावित क्षेत्र (ब्लैक स्पॉट) पाए गए हैं। इस संबंध में सूची हाल ही में परिवहन विभाग द्वारा लोक निर्माण विभाग को दी गई है और इस संबंध में उचित कार्रवाई के निर्देश संबंधितों को दिए गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर सबसे अधिक ६१० 'ब्लैक स्पॉट' दर्ज किए गए हैं, जबकि मुंबई में यह संख्या ४८ दर्ज की गई है।

राज्य का परिवहन विभाग विभिन्न राजमार्गों और सड़कों पर दुर्घटनाओं के स्थानों को 'ब्लैक स्पॉट' निर्धारण करता है। इसके बाद इन स्थानों की सूची लोक निर्माण विभाग को सौंपी जाती है। इसके मुताबिक परिवहन विभाग ने सूची तय कर कुछ दिन पहले ही जानकारी दी है। इन 'ब्लैक स्पॉट्स' को रिकॉर्ड कर सड़क को चौड़ा करने, दिशा पटल लगाने और अन्य प्रबंधन समेत एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। इस सूची के मुताबिक, राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुल ६१० जगहों को 'ब्लैक स्पॉट' घोषित किया गया है। उनमें से ज्यादातर ४५ शहरों में पाए जाते हैं। इसके अलावा संभाजीनगर में २१, नागपुर शहर में १३, नासिक शहर में १७, नई मुंबई में १५, पुणे शहर में १३, सोलापुर में २१, ठाणे शहर में १५, पिंपरी-चिंचवड़ में १७, अमरावती ग्रामीण में १६, संभाजीनगर ग्रामीण में १५, बीड में १२, चंद्रपुर में ११, धुले में ३४, जालना में १३, कोल्हापुर में १५, नागपुर ग्रामीण में ३७, नांदेड़ में ४०, नंदुरबार में ३०, नासिक ग्रामीण में ३७, पुणे ग्रामीण में ९, पालघर में ११, रायगढ़ में २१, रत्नागिरी में ६, सांगली में १५, सतारा में ३५, सोलापुर ग्रामीण में ३७, ठाणे ग्रामीण में ९ , वर्धा में १५ आदि शामिल हैं। वहीं स्टेट हाईवे पर २०२ जगहों पर 'ब्लैक स्पॉट' मिले हैं।

तीन सालों में 27,294 लोगों ने कैंसर से अपनी जान गंवाई

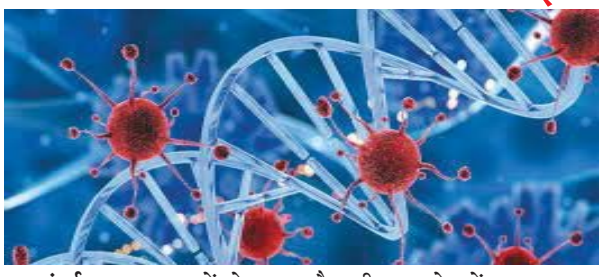

मुंबई : महाराष्ट्र में रोजाना औसतन २५ मरीज कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी की वजह से अपनी जान गंवा रहे हैं। यह चौंकानेवाला आंकड़ा राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग की तरफ से साझा की गई जानकारी में सामने आया है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पुरुषों में मुख का कैंसर और महिलाओं में सर्वाइकल के साथ ब्रेस्ट कैंसर के मामले ज्यादा सामने आ रहे हैं। इन आंकड़ों से यह साफ हो गया है कि महाराष्ट्र के लोगों के लिए अब कैंसर काल बनता जा रहा है। दूसरी तरफ विशेषज्ञों की मानें तो कैंसर को लेकर अधिक जागरुकता की जरूरत है। बीमारी को तभी मात दिया जा सकता है, जब इसका समय पर पता चलते ही शीघ्र उपचार शुरू हो जाए।

राज्य स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, तीन सालों में २७,२९४ लोगों ने कैंसर से अपनी जान गंवाई है। इसी तरह प्रदेश में साल २०२०-२१ की अवधि में वैंष्ठसर से ९,६८८, साल २०२१-२२ में ८,७३२ और साल २०२२-२३ में ८,८७४ लोगों की मौतें हुई हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, करीब ६० से ७० फीसदी मुख के कैंसर की समस्या से पीड़ित हैं। यह शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं में सबसे आम है। इसका कारण तंबाकू का अधिक सेवन है। महिलाओं में सर्वाइकल और स्तन कैंसर की दर अधिक है। अस्वच्छ परिस्थिति के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वाइकल कैंसर आम हो गया है। हालांकि, जब तक इस रोग का पता चलता है, तब तक काफी देर हो जाती है और मरीज की मौत हो जाती है। कैंसर विशेषज्ञों का मानना है कि बीमारी का समय पर पता लगाने के लिए लगातार स्क्रीनिंग जरूरी है। बीमारियों का जल्द पता चलना इलाज में मदद करता है।

मानसून में सड़क पर पड़ने वाले गढ्ढों को भरने की जिम्मेदारी तय

6 मीटर तक की सड़क वार्ड और उससे बड़ी सड़क देखेगी सेंट्रल एजेंसी

मुंबई : मानसून के समय सड़क पर पड़ने वाले गड्ढों को भरने के लिए लेकर मनपा प्रशासन पूरी सख्ती अपना रही है। मनपा ने गढ्ढों को भरने के लिए इस साल जहा कई तरह की नई तकनीकी का सहारा ले रही है वही गढ्ढों को भरने के लिए जिम्मेदारी भी तय कर दी है। मुंबई के 6 मीटर से कम चौड़े रास्ते की जिम्मेदारी वार्ड पर होगी वही उससे बड़ी सड़को की देख रेख की जिम्मेदारी सेंट्रल एजेंसी की होगी। उल्लेखनीय है कि हर साल मानसून के दौरान सड़क पर बनने वाले गढ्ढों को लेकर मनपा की बड़ी छीछालेदर होती है।मुंबई हाई कोर्ट तक मनपा को फटकार लगाती है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मुंबई की सड़को को लेकर पहले ही सख्त रवैया अपनाया है। मुख्यमंत्री ने पिछले साल ही मुंबई की सड़को को जल्द से जल्द सीमेंट कंक्रीट करने का निर्देश दिया।इसी के चलते 400 किमी की सड़क को सीमेंट कंक्रीट करने का ठेका दिया गया। बकाया 400 किमी का मानसून बाद ठेका दिया जाएगा। जिससे मुंबई की सभी मुख्य सड़क सीमेंट कंक्रीट हो जाएगी।

गढ्ढों को भरने के लिए तकनीकी ही तकनीकी...

मनपा ने इसके अलावा भी मानसून के दौरान सड़क पर गढ्ढे न पड़े इसके लिए गढ्ढों को भरने के लिए नई तकनीकी अपनाने का निर्णय लिया है।मनपा ने पिछले साल गढ्ढों को भरने के लिए पिछले साल अपनाई कोल्ड मिक्स तकनीकी अपनाई थी जिसे इस साल भी लागू किया है।इसके अलावा जिन सड़को को मरम्मत करने का ठेका दिया गया है उसके देख रेख की जिम्मेदारी ठेकेदार को होगी।अभी जनवरी में दिए गए 400 किमी की सड़क के ठेके में जिन सड़को का काम शुरू हुआ है उन्हे छोड़कर बकाया सड़कों की जिम्मेदारी लेने से ठेकेदारों ने ठुकरा दिया है जिसके चलते उन सड़क को भी मानसून तक मनपा को ही देखना पड़ेगा।मनपा ने इस साल गढ्ढों को भरने के लिए दो नई तकनीकी प्रतिक्रियाशील डामबर और हार्डनिंग कंक्रीट का उपयोग किया जाएगा। मनपा ने इस साल पूर्व और पश्चिम एक्सप्रेस हायवे की देख रेख की जिम्मेदारी भी अलग से ठेकेदारों पर डाली है। पहले यह दोनो सड़क की देखरेख की जिम्मेदारी राज्य सरकार के पी डब्लू डी विभाग के पास रहती थी लेकिन अब मनपा के पास है। मनपा ने मानसून पूर्व भी कुछ सड़क जिन पर पहले से गढ्ढे थे और जिन सड़को का मरम्मत करने का ठेका अभी नही दिया गया है उनकी मानसून पूर्व मरम्मत करने का ठेका दिया था जिससे ऊबड़ काबड़ पैच को मासटिक अस्फाल्ट से पहले ही भरा गया है।

'10वीं में साइंस नहीं तो आगे भी नहीं'

बॉम्बे HC ने महाराष्ट्र बोर्ड के नियम को कहा बेमतलब- छात्र के हक में दिया फैसला

मुंबई : बॉम्बे हाई कोर्ट के सामने एक दिलचस्प मामला सामने आया, जिसमें एक छात्र ने कहा कि उसे 12वीं में साइंस स्ट्रीम से नहीं पढ़ने दिया जा रहा है. दरअसल, छात्र ने हाई स्कूल में साइंस विषय नहीं लिया था, जिसकी वजह से उसे आगे मना कर दिया गया. हाई कोर्ट ने इस नियम पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसका कोई औचित्य नहीं है. बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस गौतम पटेल और नीलम गोखले की खंडपीठ ने अपनी टिप्पणी में इस बात का संज्ञान लिया कि छात्र कक्षा 8 या 9 के आसपास अपने लिए विषय चुनते हैं. 14 साल के बच्चे का फैसला उसके पूरे भविष्य को निर्धारित करे, ऐसा सोचना गलत है.

कोर्ट ने कहा- हमें कोई तर्क नहीं नजर आता

कोर्ट ने कहा, ''हमें कोई तर्क नजर नहीं आता कि 10वीं में जो छात्र साइंस नहीं लेते हैं, उन्हें बाद में साइंस स्ट्रीम में दाखिला क्यों नहीं देना चाहिए. वास्तव में स्कूलों में विषयों का चुनाव 10वीं कक्षा में नहीं, बल्कि कम से कम एक या दो साल पहले 8वीं या 9वीं क्लास के दौरान ही किया जाता है. यह उम्मीद करना गलत होगा कि 14 साल के बच्चे का फैसला उसका पूरा भविष्य तय करेगा.'' इस दौरान कोर्ट ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का जिक्र करते हुए उस पर भरोसा भी जताया. कोर्ट ने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर एक नजर डालने से हमारा नजरिया और मजबूत हुआ है, जिसमें पूरे पैटर्न को बदलने का प्रस्ताव दिया गया है. साइंस-आर्ट-कॉमर्स की पुरानी रस्साकशी को दूर किया जाने की बात है, जो बिल्कुल सही है. कोर्ट ने सवाल किया कि आखिर बोर्ड का उद्देश्य क्या है, छात्रों की मदद करना या फिर उन्हें रोकने के नए तरीके खोजना. इसके साथ ही हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड को छात्र का 12वीं का रिजल्ट जारी करने का आदेश दिया

क्या था मामला ?

नासिक के एक छात्र ने आईसीएसई बोर्ड से 10वीं की परीक्षा 92 प्रतिशत अंकों के साथ पास की थी. बाद में उसने साइंस स्ट्रीम में दाखिला लिया और 11वीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी में पास की. आगे उसने महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड की 12वीं की परीक्षा में भी हिस्सा लिया लेकिन बोर्ड एक आदेश एक पारित कर उसका रिजल्ट रोक दिया. बोर्ड ने कहा कि छात्र ने 10वीं में साइंस स्ट्रीम नहीं ली थी, इसलिए उसका एडमिशन रद्द किया जाता है. छात्र ने इस आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट का रुख किया था.

हत्या के बाद शव के साथ सात घंटे

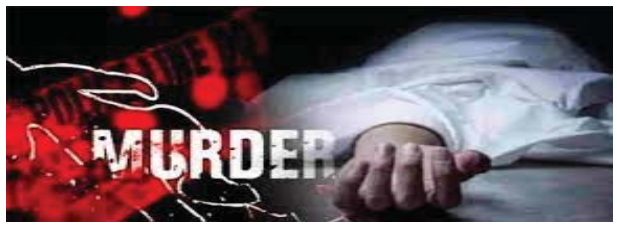

मुंबई : बोरीवली इलाके में दिल दहला देने वाली घटना सामने आयी है। युवक की हत्या कर आरोपी सात घंटे तक शव के पास बैठकर पश्चयताप करता रहा। आखिरकार उसने अपने गांववालों को घटना की जानकारी दी। फिर गांव वाले यहां पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटना स्थल से ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की अधिक जांच कस्तूरबा मार्ग पुलिस कर रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मामला शुक्रवार की रात लगभग बारह बजे का है। जब आरोपी अजित कुमार सहानी (33) और मृतक रामपुकार सहानी (30) के बीच छोटी से बात को लेकर झगड़ा हुआ। दोनों बिहार राज्य के एक ही गांव के रहनेवाले हैं। इसीलिये उसे मारने के बाद पछतावा होने लगा। दोनों ही कड़िया और बेगारी का काम करते थे। इसीको लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ और फिर आरोपी ने हथौड़े से रामपुकार के सिर पर हमला कर दिया। जिसमें उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस मामले की अधिक जांच करने में जुटी हुई है।

रात भर शव के साथ

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी अजित ने राम पुकार की हथोड़े से हत्या करने के बाद रात भर शव के साथ ही बैठा था। वह सोच रहा था कि उसीके गांव के रहनेवाले व्यक्ति की हत्या उसने कर दी है। उसने हत्या की जानकारी पुलिस को भी नहीं दी थी। वह डर गया था कि पुलिस उसे गिरफ्तार कर उसकी पिटाई करेगी।

गांव में फोन कर दी जानकारी

दरअसल हत्या के बाद आरोपी डर गया था। उसके बीच झगड़े और हथौड़े से मारकर हत्या करने की जानकारी अपने परिवार वाले को गांव में दी। इसके बाद एक व्यक्ति को उसके घर देवीपाड़ा इलाके में भेजा गया। वहां पहुंचने के बाद उसने मामले की जानकारी मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को दी। जिसके बाद कंट्रोल रूम ने कस्तूरबा पुलिस को जानकारी दी और फिर कस्तूरबा ओलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ़्तकर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ताने मारने पर हुई हत्या

दरअसल मृतक ने आरोपी को कहा कि वह हमेशा केडिया ही रहेगा। इसिपर दोनों के बीच विवाद पैदा हुआ और फिर रामपुकार ने चाकू से हमला किया। इससे बचने के लिए आरोपी ने हथौड़ा उठाया और रामपुकार के सिर पर मार दिया। चोट गंभीर होने के कारण उसकी मृत्यु हो गई। जिसके बाद घटना की जानकारी पॉलिस को दी गई।

हर तरफ यात्री। दरवाजे से लेकर बर्थ तक... फर्श से लेकर वाशरूम तक भीड़

मुंबईः उफ! ये भीड़...। किस बोगी में घुसें। किस रास्ते अंदर जाएं। हर तरफ यात्री। दरवाजे से लेकर बर्थ तक, फर्श से लेकर वाशरूम तक भीड़। दौड़ो, भागो कितना भी, फिर भी न चढ़ने की गुंजाइश न खड़े होने का कोई दांव। ऐसी यात्रा का तो भगवान ही मालिक है। मुंबई, दिल्ली, गुजरात तक दौड़ लगाने वाली लगभग सभी ट्रेनों का हाल एक जैसा है। अधिकतर लोग ठसाठस भीड़ देखने के बाद ट्रेन में घुसने की हिम्मत नहीं जुटा रहे हैं। और स्टेशन से लौट जा रहे हैं।

शनिवार को बस्ती रेलवे स्टेशन का नजारा कुछ ऐसा ही था। दोपहर 12:50 बजे सूचना प्रसारित हुई कि गोंडा, लखनऊ के रास्ते दिल्ली तक जाने वाले यात्रियों के लिए छपरा-दरभंगा एक्सप्रेस प्लेटफार्म पर नंबर दो पर आ रही है। यात्रियों के कदम

उस ओर बढ़ चले। बैग, ब्रिफकेश आदि के साथ भीड़ प्लेटफार्म नंबर एक से दो पर आ गए। कुछ ही देर में ट्रेन भी आ गई। प्लेटफार्म पर यात्रियों का दौड़ भाग शुरू। अंदर ठसाठस भीड़ थी। उसमें से किसी को उतरने की जिद, तो अधिकतर पर बाहर से अंदर ट्रेन में चढ़ने का जुनून था। बैठने के लिए सीट छोड़िए, बोगी में खड़े होने के लिए भी जद्दोजहद थी। कुछ एसी डिब्बों के फाटक अंदर से बंद थे। स्लीपर और जनरल डिब्बों के गेट के पास सामान भर दिए गए थे। उसकी ओट लेकर यात्री खड़े थे। भीड़ ऐसी कि दाहिने-बाएं होने की भी जगह नहीं। शरीर से मजबूत लोग तो किसी तरह बोगियों में दाखिल हुए लेकिन कमजोर दिल के लोग कदम पीछे खींच लिए। उन्हें वापस होना पड़ा। इसके कुछ देर बाद प्लेटफार्म नंबर तीन पर रायपुर (छत्तीसगढ़) एक्सप्रेस पहुंची। इसमें भी वहीं हाल। गोरखपुर, देवरिया तक की यात्रा करने वाले लोग जनरल टिकट पर एसी कोच में घुस गए। स्लीपर डिब्बों में घुसने की जगह ही नहीं थी। आजकल रेल यात्रा का दृश्य यही है। अधिकतर ट्रेनें फुल चल रही हैं। वेटिंग टिकट पर यात्रा किसी यातना से कम नहीं है। आरक्षण फुल होने की स्थिति में लोगों को फर्श पर बैठकर या खड़े होकर ही लंबी यात्रा करनी पड़ रही है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 12 जून 2023

ठाणे में शिंदे शिवसेना और बीजेपी के बीच बढ़ रही खाई...

सांसद श्रीकांत शिंदे की इस्तीफे की घोषणा के बाद माहौल गर्म

ठाणे: ठाणे जिले में शिंदे शिवसेना और बीजेपी के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। इसी बीच, बीजेपी ने रविवार को ठाणे शहर में 'मेलावा' कार्यक्रम का आयोजन किया है। डॉ. काशिनाथ घाणेकर सभागार में होने वाले कार्यक्रम में पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होने वाले हैं। यहां मोदी सरकार की पिछले 9 साल की योजनाओं की जानकारी देने और उन्हें लोगों के बीच प्रचारित करने की बात कही जा रही है। लेकिन, कार्यक्रम के जरिए पार्टी की ताकत दिखाने का प्रयास कहा जा रहा है। इसे एक प्रकार से मुख्यमंत्री के गढ़ में बीजेपी का शक्ति प्रदर्शन बताया जा रहा है। कार्यक्रम में राज्य के चिकित्सा शिक्षा मंत्री गिरीश महाजन, कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, लोक निर्माण मंत्री रविंद्र चव्हाण उपस्थित रहेंगे। बैठक का नेतृत्व विधायक संजय केलकर, गणेश नाईक, प्रदेश

महासचिव माधवी नाइक, पूर्व सांसद विनय सहस्त्रबुद्धे करेंगे। ठाणे लोकसभा क्षेत्र के सभी छह विधानसभा क्षेत्रों के पदाधिकारियों के साथ बूथ प्रमुख, शक्ति केंद्र प्रमुख उपस्थित रहेंगे। विधायक निरंजन डावखरे, मंदा म्हात्रे, गीता जैन, रमेश पाटील, पूर्व सांसद संजीव नाईक, पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता, संदीप नाईक आदि नेताओं को भी न्योता है।

क्यों पड़ रही दरार!

बता दें कि रविंद्र चव्हाण की उपस्थिति में कल्याण में हुई बैठक में आगामी लोकसभा में बीजेपी की पसंद के उम्मीदवार को ही मदद करने तथा मुख्यमंत्री के सांसद पुत्र श्रीकांत शिंदे को किसी भी प्रकार का सहयोग न किए जाने का फैसला किया गया। शिंदे शिवसेना और बीजेपी के अंदरूनी तनाव के खुल कर सामने आने के बाद झल्लाए सांसद श्रीकांत को यहां तक कहना पड़ा कि कुछ लोग शिंदे शिवसेना और बीजेपी के बीच जानबूझकर दरार डालना चाहते हैं। ऐसे में वह इस्तीफा देने को तैयार हैं, क्योंकि व्यक्तिगत रूप से वह किसी पद की आकांक्षा नहीं रखते हैं और नरेंद्र मोदी को एक बार फिर देश का प्रधानमंत्री देखना ही उनका मकसद है।

शिंदे के इस्तीफे का विडियो वायरल

2014 में एकनाथ शिंदे ठाणे जिले के संरक्षक मंत्री थे। उस समय कल्याण-डोंबिवली मनपा चुनाव की पृष्ठभूमि पर कल्याण (पूर्व) में आयोजित एक सभा में शिंदे ने तत्कालीन बीजेपी सरकार की तरफ से शिवसैनिकों पर अत्याचार करने का आरोप लगाया था। उन्होंने भरी सभा में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। श्रीकांत शिंदे के इस्तीफे की घोषणा के बाद से एकनाथ शिंदे के इस्तीफे का विडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। सवाल उठाया जा रहा है कि आखिर सांसद शिंदे इस्तीफे के हथियार से क्या संदेश देना चाहते हैं?

अमित शाह के सवाल पर संजय राउत का जवाब

बोले- मणिपुर में क्या हो रहा है... वहां की हिंसा क्यों नहीं थमी?

मुंबई: अमित शाह के भाषण के दौरान उद्धव ठाकरे पर उठाए गए सवाल पर संजय राउत ने रविवार को पलटवार किया है। उद्धव गुट के नेता और सांसद संजय राउत ने तंज कसते हुए अमित शाह से भी कई सवाल किए। जाति और धर्म के आधार पर किसी को आरक्षण नहीं मिलना चाहिए। मणिपुर में क्या हो रहा है, वहां की हिंसा क्यों नहीं थमी? उन्होंने कहा कि ये बीजेपी का महासंपर्क अभियान कम और उद्धव ठाकरे की आलोचना का कार्यक्रम लग रहा था।

संजय राउत ने क्या जवाब दिया

संजय राउत ने कहा कि अमित शाह देश के गृह मंत्री हैं। उन्हें देश की कानून व्यवस्था पर बात करनी चाहिए। मणिपुर में क्या हो रहा है आप देख सकते हैं। वहां की हिंसा क्यों नहीं थमी? उन्होंने कहा कि 4 सवाल जो अमित शाह ने पूछे हैं उसका चिंतन भाजपा को खुद करना चाहिए। जाति और धर्म के आधार पर किसी को आरक्षण नहीं मिलना चाहिए ये गलत है, लेकिन आप(भाजपा) दे रहे हैं। इसके आलावा उन्होंने ट्वीट करते कर कहा कि नांदेड़ में गृह मंत्री अमित शाह का भाषण सुनिए। यह अजीब है। मेरा एक सवाल है। क्या यह बीजेपी का महासंपर्क अभियान था या शिवसेना पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे की आलोचना के लिए विशेष आयोजन। अमित भाई के 20 मिनट के भाषण में उद्धव जी पर 7 मिनट। यानी मातोश्री का खौफ अभी भी बरकरार है।

अमित शाह ने क्या कहा था

बता दें, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक जनसभा को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने मंच से जनता को संबोधित करते हुए कहा कि उद्धव ठाकरे से पूछता हूं कि कर्नाटक में जिसकी सरकार बनी वह वीर सावरकर को इतिहास की पुस्तकों से मिटाना चाहती, क्या आप इससे सहमत हैं? मैं नांदेड की जनता से पूछता हूं कि महान देशभक्त, बलिदानी आदमी वीर सावरकर का सम्मान होना चाहिए या नहीं होना चाहिए? उद्धव जी आप दो नांव में पैर नहीं रख सकते। उद्धव जी कहते हैं कि हमने इनकी सरकार तोड़ी। हमने इनकी सरकार नहीं तोड़ी। शिवसैनिकों ने आपकी नीति विरोधी बातों से तंग आकर आपकी पार्टी छोड़ी।

पशु मालिकों को बॉम्बे हाई कोर्ट की फटकार...

मुंबई: बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने ट्रक में मवेशियों को अमानवीय तरीके से ट्रांसपोर्ट किए जाने पर नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने कहा कि पशुओं और जानवरों में भी मनुष्यों के समान भावनाएं और संवेदनाएं होती हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि वे बोल नहीं सकते हैं। कानून में उनके अधिकारों को मान्यता दी गई है। अभिव्यक्त न कर पाने के कारण पशु अपने अधिकारों का दावा नहीं कर सकते हैं। इसलिए जिन्हें भी उनकी सुरक्षा व कल्याण की जिम्मेदारी दी गई है, उन्हें कानून के अनुसार पशुओं के हितों का ध्यान रखना होगा। न्यायमूर्ति जी.ए. सानप ने जब्त किए गए मवेशियों (भैसों) को सौंपने की मांग करने वाले उनके मालिकों की याचिका को खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया है। इससे पहले नागपुर के मैजिस्ट्रेट और सेशन कोर्ट ने मवेशी उनके मालिकों को सौंपने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने अंतरिम व्यवस्था के रूप में पशुओं को मां फाउंडेशन की गौशाला में रखने का निर्देश दिया था। निचली अदालत के आदेश के खिलाफ मवेशी मालिकों ने कोर्ट में याचिका दायर की थी।

नागपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर 10 मार्च, 2022 को ट्रक से बेचने के लिए ले जाए जा रहे 68 मवेशियों को जब्त किया था। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर व अन्य के खिलाफ मोटर वीकल कानून व प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल कानून की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति ने कहा कि गाय की तुलना में भैंस का आकार काफी बड़ा होता है। इसलिए एक ट्रक में 6 भैसों को ही ले जाया जा सकता है, लेकिन इस मामले में एक ट्रक में 18 भैसों को भरा गया था। नियमानुसार ट्रक से ट्रांसपोर्ट किए जाने वाले पशुओं के लिए चारा और पानी रखा जाना जरूरी है, लेकिन ट्रक में भैसों के भोजन-पानी का कोई इंतजाम नहीं था। मवेशियों के फिटनेस सर्टिफिकेट भी हासिल नहीं किए गए थे। ट्रक में मवेशियों को बेहद क्रूर तरीके से ले जाया जा रहा था। फिलहाल गौशाला ही मवेशियों के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है। इसलिए उन्हें वहीं रखा जाए। न्यायमूर्ति ने कहा कि संबंधित पुलिस स्टेशन के अधिकारी महीने में दो बार पशु चिकित्सक के साथ गौशाला का दौरा करें और अपनी रिपोर्ट स्थानीय मैजिस्ट्रेट को सौंपें।

2024 में देश की जनता परिवर्तन अवश्य करेगी - शरद पवार

मुंबई : १९७७ में जो राजनीतिक परिस्थिति देश की थी वैसे ही परिस्थिति आज है। उस समय जनता पर्याय के रूप में आगे आई थी। कोई नेता नहीं था। केवल जनता ने चुनाव को हाथ में लिया। सत्ता परिवर्तन हुआ और इतिहास रचा गया। २०२४ में देश की जनता परिवर्तन अवश्य करेगी, ऐसा विश्वास राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने कल व्यक्त किया। इसके साथ ही राष्ट्रवादी की लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले और राज्यसभा सदस्य प्रफुल्ल पटेल को पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष पद पर नियुक्त करने की घोषणा कल दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में शरद पवार ने की। मुंबई के चेंबूर स्थित राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस के सम्मेलन में मार्गदर्शन करते हुए शरद पवार ने 'भाकरी फिरवली' रोटी घुमाने का समय आ गया है, ऐसा कहते हुए उन्होंने पार्टी में बदलाव का संकेत दिया था। इसके बाद 'लोक माझे सांगाती' इस पुस्तक के सुधारित आवृत्ति के विमोचन समारोह में राष्ट्रवादी के सर्वेसर्वा शरद पवार ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की घोषणा की थी। इस घोषणा के बाद राष्ट्रवादी में ही नहीं, बल्कि देशभर की राजनीति में खलबली मच गई थी। शरद पवार इस्तीफा वापस लें। इस मांग को लेकर राकांपा कार्यकताओं ने आक्रामक भूमिका अपनाई थी। मुंबई के यशवंतराव चव्हाण सेंटर के बाहर ३ दिनों तक कार्यकताओं ने आंदोलन किया। देशभर के विरोधी दलों के बड़े नेताओं द्वारा अनुरोध और कार्यकताओं की भावना का आदर करते हुए पवार ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया था। तब से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में परिवर्तन किया जाएगा, ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही थी। आखिर में कल पवार ने पार्टी में नया पद कार्यकारी अध्यक्ष का तैयार करके आगामी चुनावों की पृष्ठभूमि में पार्टी को मजबूत बनाने की दृष्टि से यह कदम उठाया है।

पालघर में ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों की मौत

पालघर : महाराष्ट्र के पालघर जिले में मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर एक सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पालघर पुलिस के प्रवक्ता सचिन नवाडकर ने बताया कि तीनों युवक एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहे थे, तभी शनिवार रात को सातिवली के पास एक कंटेनर ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। नवाडकर ने कहा, ''ट्रक गुजरात की दिशा में जा रहा था और उसकी पहचान हो गई है। वहीं, मृतकों की शिनाख्त विक्रमगढ़ निवासी सूरज ठाकरे (20), मयूर ठाकरे (19) और नरेश भोईर (22) के रूप में की गई है।'' उन्होंने बताया कि मनोर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और ट्रक चालक को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

ठाणे के पास अंबरनाथ के फार्मास्युटिकल प्लांट में विस्फोट...

1 की मौत, 3 घायल

ठाणे : महाराष्ट्र से मिल रही एक सनसनीखेज खबर के अनुसार, यहां ठाणे के अंबरनाथ शहर में बीते शनिवार दोपहर को एक फार्मास्युटिकल प्लांट में विस्फोट हो गया था। इस हादसे में 1 व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य के घायल होने की खबर है। मामले पर ठाणे नगर निगम ने बताया कि ब्लू जेट हेल्थकेयर कंपनी के नाइट्रेशन प्लांट में विस्फोट के बाद आग लगी और अन्य हिस्सों में फैल गई। हादसे में मरने वाले की पहचान सूर्यकांत जिमत के रूप में की गई है।

क्या है घटना

जानकारी के अनुसार घटना शनिवार दोपहर एएमपी गेट के पास एमआईडीसी यूनिट दो में ब्लू जेट हेल्थकेयर के नाइट्रेशन प्लांट में हुई। वहीं अगर इस फर्म की वेबसाइट के मुताबिक 53 वर्षीय ब्लू जेट हेल्थकेयर कंपनी राज्यों के लिए एक्स-रे और एमआरआई प्रक्रियाओं के लिए एकीकृत कंट्रास्ट मीडिया इंटरमीडिएट बनाती है।कंपनी की शाहद, महाद में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और अंबरनाथ इंडस्ट्रियल एरिया में दो यूनिट भी हैं। सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि अंबरनाथ एमआईडीसी में शाम करीब चार बजे आग नाइट्रिक एसिड के एक टैंकर के पास लगी। ठाणे नगर निकाय के आपदा नियंत्रण प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया, 'एक व्यक्ति की मौत हो गई, जिसकी पहचान सूर्यकांत जिमत के रूप में की गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आग में झुलसे 5 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आग बुझाने में लगा इतना समय

मामले पर सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियों को आग बुझाने के काम में लगाया गया और डेढ़ घंटे में इस पर काबू पा लिया गया था। हालांकि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।पुलिस ने फिलहाल दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। फिलहाल, आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

कम हो सकती हैं पेट्रोल-डीजल की कीमतें !

पेट्रोलियम मंत्री के किया ये इशारा

महाराष्ट्र : अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें स्थिर रहती हैं, तो तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल की कीमतें घटाने पर विचार करने की स्थिति में होंगी। यह बात पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तेल कंपनियों के आगामी तीन महीने के नतीजे अच्छे होंगे। पुरी ने पेट्रोल कीमतों पर विभिन्न सवालों के जवाब देते हुए हालांकि कहा कि वह इस मुद्दे पर कोई घोषणा करने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आगे देखेंगे कि इस पर क्या किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने पिछली तिमाही में ठीक प्रदर्शन किया, कुछ घाटे की भरपाई कर ली है। उन्होंने अपनी कॉरपोरेट जिम्मेदारी बहुत अच्छी तरह निभाई है। हम जैसे आगे बढ़ेंगे, हम देखेंगे कि क्या किया जा सकता है।'' भाजपा नेता ने कहा कि नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली सरकार ने सुनिश्चित किया है कि 22 अप्रैल से तेल कीमतों में बढ़ोत्तरी न हो। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सरकार आगे भी सुनिश्चित करेगी कि ग्राहकों को परेशानी ना हो।

भारतीय तेल कंपनियों ने लंबे समय से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। महाराष्ट्र के मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये वहीं, डीजल 94.27 रुपये लीटर के रेट से बिक रहा है। फरीदाबाद की बात करें तो यहां पेट्रोल 97.49 रुपये और डीजल 90.35 रुपये प्रति लीटर के दाम में बिक रहा है। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में एक लीटर पेट्रोल 96.50 रुपये और, डीजल 89.68 रुपये में मिल रहा है। इसके अलावा, अहमदाबाद में पेट्रोल 96.42 रुपये और डीजल 92.17 रुपये लीटर है। दिल्ली, गाजियाबाद, लखनऊ समेत कई जगह पेट्रोल 100 रुपये प्रति लीटर कम बिक रहा है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 96.72 रुपये प्रति लीटर, डीजल के दाम 89.62 रुपये हैं। बिहार के पटना में पेट्रोल 107.24 और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर है।

NCB-मुंबई को मिली बड़ी कामयाबी...

डोंगरी में ड्रग्स तस्करी के बड़े सिंडिकेट का किया भंडाफोड़

मुंबई : महाराष्ट्र में ड्रग तस्करी के एक बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ हुआ है। राज्य की राजधानी मुंबई के डोंगरी इलाके में NCB-मुंबई को यह बड़ी कामयाबी मिली है। जानकारी के अनुसार 50 करोड़ रुपये मूल्य का 20 किलोग्राम मेफेड्रोन जब्त किया गया है, साथ ही सिंडिकेट के 3 प्रमुख सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। इसे एनसीबी-मुंबई की बहुत बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। फिलहाल इस मामले में जांच जारी है। वहीं गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ भी चल रही है। एनसीबी-मुंबई ने बताया कि डोंगरी से ड्रग्स तस्करी के बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। कई तलाशी अभियानों में डोंगरी से 50 करोड़ रुपये मूल्य का 20 किलोग्राम मेफेड्रोन जब्त किया गया है, साथ ही सिंडिकेट के 3 प्रमुख सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। वहीं 1,10,24,000 रुपये नकद बरामद किये गए हैं। 186.6 ग्राम सोने के आभूषण भी जब्त किए गए। बता दें कि एनसीबी-मुंबई को लम्बे समय से इस ग्रुप का इन्तजार था। पिछले दिनों इसके बारे में एनसीबी-मुंबई बारीकी से नजर बनाए हुई थी। मौके पाकर गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया। बताया जा रहा है कि इस काम में महिलाएं भी शामिल हैं। फिलहाल इस मामले में और जांच चल रही है। उम्मीद लगाई जा रही है कि इसके तार अन्य अपराधियों से भी जुड़े हो सकते हैं।

नाखुश नहीं हूं, महाराष्ट्र में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी मेरे पास है: अजित पवार

पुणे : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार शनिवार को मीडिया में आई इन खबरों को खारिज कर दिया कि सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने और शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी में उन्हें कोई भूमिका नहीं दिए जाने से वह नाखुश हैं। इससे पहले दिन में राकांपा के प्रमुख शरद पवार ने दिल्ली में सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष घोषित किया। पवार ने पार्टी की 24वीं वर्षगांठ पर कार्यकारी अध्यक्षों के नामों की घोषणा की। अजित पवार ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''कुछ मीडिया चैनल ने ऐसी खबरें चलाईं कि अजित पवार को कोई जिम्मेदारी नहीं मिली, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि मेरे पास महाराष्ट्र में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि वह स्वेच्छा से राज्य की राजनीति में सक्रिय हैं। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''पिछले कई वर्षों से, सुप्रिया दिल्ली में हैं। मैं राज्य की राजनीति में सक्रिय हूं। मेरे पास राज्य की जिम्मेदारी है क्योंकि मैं यहां का विपक्ष का नेता हूं। इस बीच, दिल्ली में कार्यक्रम के बाद शरद पवार ने उन अटकलों को खारिज किया कि सुले की नियुक्ति से उनके भतीजे अजित पवार नाखुश हैं। पवार ने संवाददाताओं से कहा, ''यह सुझाव उन्होंने (अजीत पवार) दिया था। तो उनके खुश या नाखुश होने का सवाल ही कहां है।

एअर इंडिया ने मगादान में फंसे अपने विमान की खराबी ठीक की, मुंबई लौटा

मुंबई : रूस के मगादान में फंसे एअर इंडिया के बोइंग विमान की खराबी ठीक कर ली गई और वह शनिवार शाम को मुंबई पहुंचा। एयरलाइन ने शनिवार को यह जानकारी दी। मगादान मास्को से करीब 10,167 किलोमीटर दूर समुद्र किनारे बसा शहर है।

गौरतलब है कि एअर इंडिया ने मंगलवार शाम को एक बयान में कहा था कि एअर इंडिया की उड़ान संख्या एइआई-173 छह जून को दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को के लिए रवाना हुई थी, तभी विमान के एक इंजन में तकनीकी खराबी आने की जानकारी मिली। बयान में बताया गया था कि विमान में 216 यात्री और चालक दल के 16 सदस्य सवार थे तथा इसे रूस के मगादान हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतार लिया गया।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 12 जून 2023

शाह ने महाराष्ट्र के लोगों से की ठाकरे को सबक सिखाने की अपील...

मोदी के नाम पर ली थी उद्धव ने वोट

नांदेड़ : केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने शनिवार को लोगों से महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को सबक सिखाने की अपील की। पवित्र शहर नांदेड़ में आज शाम एक जनसभा को संबोधित करते हुए श्री शाह ने श्री ठाकरे की आलोचना की और कहा कि श्री ठाकरे ने पिछले चुनाव में श्री नरेंद्र मोदी के नाम पर वोट हासिल किया था और मुख्यमंत्री पद के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और कांग्रेस से हाथ मिला लिया। श्री शाह मोदी सरकार के नौ साल पूरा होने को लेकर भाजपा द्वारा शुरू किए गए महाजनसंपर्क अभियान का शुभारंभ करने यहां पहुंचे थे। उन्होंने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों के दौरान मोदी सरकार ने गरीबों के लिए कई कल्याणकारी कार्य किए हैं। श्री शाह ने श्री ठाकरे के कार्यों की आलोचना करते हुए कहा कि

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव भाजपा और शिवसेना ने मिलकर लड़ा था। उस चुनाव में भाजपा को सबसे ज्यादा वोट मिलने के बाद श्री देवेंद्र फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना तय था, लेकिन श्री ठाकरे ने दिलचस्पी नहीं ली। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की प्रचंड जीत के बाद श्री ठाकरे ने अपने साहसिक शब्द नहीं रखे और सत्ता की खातिर राकांपा और कांग्रेस के खेमे में चले गए।

उन्होंने मांग की कि श्री ठाकरे को अपनी भूमिका स्पष्ट करनी चाहिए। उन्हें तीन तलाक पर अपना और अपनी पार्टी का रुख स्पष्ट करना चाहिए। श्री ठाकरे को न केवल राम मंदिर के मामले में अपनी भूमिका स्पष्ट करनी चाहिए, बल्कि मुस्लिम आरक्षण के मामले में भी उन्हें महाराष्ट्र के लोगों को स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। श्री शाह ने श्री ठाकरे को कॉमन सिविल कोड के बारे में महाराष्ट्र के लोगों के लिए अपनी नीति स्पष्ट करने की चुनौती भी दी। उन्होंने कांग्रेस के साथ-साथ विपक्षी दलों की भी आलोचना की।

इस मौके पर मंच पर राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत कराड, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, जनसंपर्क अभियान के राज्य प्रमुख प्रवीण दरेकर और जिला पालक मंत्री गिरीश महाजन के साथ-साथ कई अन्य भाजपा नेताओं सहित सांसद और विधायक भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा महाराष्ट्र से लोकसभा की 45 सीटें जीतने के लिए कटिबद्ध है और मराठवाड़ा तथा महाराष्ट्र में भाजपा को एक बार फिर मौका देने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे देश का नाम दुनिया में चमक रहा है। श्री मोदी जब भी विदेश जाते हैं, मोदी-मोदी के ही नारे लगते हैं। उन्होंने कहा कि इससे पहले श्रीमती सोनिया गांधी और श्री मनमोहन सिंह की भ्रष्ट सरकार ने 12 लाख करोड़ रुपये के घोटाले किए थे।

दादर में तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, 2 की मौत, 3 घायल

दादर : दादर में गुरुवार देर रात एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर एक पेड़ से टकरा गई, जिससे कार में सवार दो लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। पुलिस को शक है कि चालक सुदर्शन झेंजुर्दे (25) शराब के नशे में था। पुलिस ने घायलों के रक्त के नमूने लिए हैं ताकि उनकी शराब की सांद्रता के स्तर की जांच की जा सके। दादर फूल बाजार में काम करने वाले एक मजदूर 40 वर्षीय रवि नानवतकर रात 2 बजे सेनापति बापट रोड पर फुटपाथ पर बैठे थे, जब वह सफेद किआ की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। दादर पुलिस ने चालक के खिलाफ धारा 279, 304-ए, 338 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने कहा कि भारतीय दंड संहिता के मोटर वाहन अधिनियम 184 और आगे की जांच कर रहे हैं।

अमृतसर से अहमदाबाद जाते समय इंडिगो एयरलाइंस का विमान खराब मौसम के कारण पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गया

मुंबई : शनिवार को अमृतसर से अहमदाबाद जाते समय इंडिगो एयरलाइंस के एक विमान को खराब मौसम से बचने के लिए कुछ देर के लिए पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करना पड़ा। अहमदाबाद में सुरक्षित रूप से उतरने से पहले उड़ान थोड़ी देर बाद भारतीय हवाई क्षेत्र में लौटने में सफल रही। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि इंडिगो की उड़ान 6ए-645 को शनिवार को खराब मौसम के कारण अटारी से पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में उतरना पड़ा। इसमें कहा गया है, ''अमृतसर एटीसी द्वारा टेलीफोन के माध्यम से विचलन को पाकिस्तान के साथ अच्छी तरह से समन्वित किया गया था। चालक दल आर/टी पर पाकिस्तान के साथ लगातार संपर्क में था और उड़ान सुरक्षित रूप से अहमदाबाद में उतरी।

महाराष्ट्र मुंबई में कटऊ ने अगले 48 घंटों में राज्य में मॉनसून की भविष्यवाणी की है

''बहुत गंभीर'' चक्रवाती तूफान बिपारजॉय के अगले 24 घंटों में ''अत्यंत गंभीर'' चक्रवाती तूफान में तीव्र होने की उम्मीद है और इसके उत्तर-उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने की संभावना है, जिससे महाराष्ट्र कर्नाटक और गोवा, भारत के तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं मौसम विभाग ने शनिवार को कहा। आईएमडी अधिकारी सुषमा नायर ने कहा कि मुंबई को अगले कुछ दिनों में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने और आंधी आने की उम्मीद है। इस बीच, महाराष्ट्र, कर्नाटक और गोवा में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। गुजरात केरल, और लक्षद्वीप, के मछुआरों, को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। केरल के आठ जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

टकराव की घटनाएं बढ़ीं, जलगांव के अमलनेर में झड़प के बाद कर्फ्यू

नवी मुंबई में स्टेटस पर भड़का विवाद!

जलगांव : महाराष्ट्र के जलगांव जिले के अमलनेर में मामूली सी बात को लेकर दो गुटों में मारपीट हो गई. इसके बाद पुलिस ने शहर में 48 घंटे के लिए कर्फ्यू लगा दिया. वहीं नवी मुंबई में व्हाट्सअप स्टेटस रखने को लेकर विवाद खड़ा हो गया. अमलनेर की घटना 9 जून (शुक्रवार) की रात करीब 10 बजे की है. जब बच्चों के खिलौनों को लेकर दो गुटों में तीखी नोकझोंक हुई. इसके बाद कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया और दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर फेंके. घटना के संबंध में 100 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं और 31 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. मारपीट की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची.

इस घटना के वीडियो में सड़क के किनारे एक दुकानदार की गाड़ी को पलटते हुए दिखाया गया है और सड़क पर ईंटों के टुकड़े बिखरे हुए थे. उपद्रव को रोकने और कानून- व्यवस्था बनाए

रखने के लिए 10 जून को सुबह 11 बजे से 12 जून को सुबह 11 बजे तक कर्फ्यू लगाया गया. जरूरत पड़ने पर कर्फ्यू को बढ़ाया जा सकता है. कर्फ्यू लागू रहने तक मौके पर पुलिस तैनात कर दी गई है. कर्फ्यू लगने के बाद से ही स्थिति शांतिपूर्ण है. अभी तक किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है. पुलिस दोनों गुटों के अपराधियों की पहचान के लिए सीसीटीवी की जांच कर रही है.

जलगांव के पुलिस अधीक्षक एम राजकुमार ने लोगों से किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की है. एसपी ने कहा कि 'दो गुटों में मामूली बात को लेकर झगड़ा हो गया. पुलिस मौके पर पहुंची. हम लोगों से अनुरोध करते हैं कि किसी भी तरह की अफवाहों पर विश्वास न करें.' जबकि सब डिविजनल मजिस्ट्रेट कैलास कडलग ने अमलनेर के लोगों से कर्फ्यू के दौरान अपने घरों में रहने और जिला प्रशासन का सहयोग करने की अपील की. गौरतलब है कि महाराष्ट्र में सांप्रदायिक टकराव की कई घटनाएं हाल के दिनों में सामने आई हैं.

महाकाल की धरती पर भाजपा नेताओं का जमीन का खेल

मंत्री मोहन यादव, उनकी पत्नी और बहन की जमीन सिंहस्थ से मुक्त, ताकि कॉलोनी कट सके

भोपाल। उज्जैन स्थित महाकाल लोक में घटिया मूर्ति निर्माण के बाद सिंहस्थ की जमीन को भी निगलने का मास्टर प्लान तैयार हो गया है। इस मास्टर प्लान की आड़ में सिंहस्थ के लिए 2016 में रिजर्व रखी गई 872 एकड़ जमीन में से 185 एकड़ का लैंडयूज बदलकर कृषि से आवासीय कर दिया गया है। इसका मतलब है कि इस जमीन पर अब कॉलोनियां काटी जा सकेंगी। खास बात यह है कि इसमें उच्च शिक्षा मंत्री व उज्जैन दक्षिण से विधायक मोहन यादव, उनकी पत्नी, बहन की जमीन भी शामिल है।

उज्जैन से भाजपा के वरिष्ठ विधायक पारस जैन अपने ही साथी मंत्री मोहन यादव का नाम लिए बिना कहते हैं कि चाहे जिसके स्वार्थ के लिए ये किया गया हो, लेकिन ये फैसला पूरी तरह गलत है। सिंहस्थ 2028 में 10 करोड़ से ज्यादा लोगों के आने का अनुमान है। ऐसे में चिह्नित जमीन पर कॉलोनी बसाने का फैसला उज्जैन और सिंहस्थ के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। सिंहस्थ मेला क्षेत्र से जमीन मुक्त करने के अलावा मास्टर प्लान की आड़ में जिन जमीनों का लैंडयूज बदला गया है, उनमें भी भाजपा नेताओं को सबसे ज्यादा फायदा पहुंचाया गया है। कृषि से आवासीय हुई ज्यादातर जमीनों का मालिकाना हक मंत्री, उनकी पत्नी, जन अभियान परिषद के अध्यक्ष विभाष उपाध्याय और ऐसे ही कई प्रभावशाली नेताओं और बिल्डरों के नाम पर है।

उज्जैन में हर 12 साल में सिंहस्थ मेला लगता है। अगला सिंहस्थ 2028 में होगा। लाखों लोग इसमें शामिल होते हैं। साधु-संतों के पांडाल लगते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अस्थायी निर्माण भी किए जाते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए सिंहस्थ मेला क्षेत्र नोटिफाइड किया जाता है। इस क्षेत्र में किसी भी तरह के आवासीय या व्यावसायिक निर्माण की अनुमति नहीं रहती है। यह नियम निजी जमीन पर भी लागू होता है। यदि मेला क्षेत्र में निर्माण की अनुमति देना शुरू हो जाए, तो सिंहस्थ मेले पर ही संकट खड़ा हो जाएगा। 26 दिसंबर 2014 को उज्जैन के तत्कालीन कलेक्टर कवींद्र कियावत के आदेश से सिंहस्थ मेला सैटेलाइट टाउन बनाने के लिए जून 2016 तक अस्थाई मेला क्षेत्र घोषित किया गया था। इसमें कुल 352 हेक्टेयर जमीन रिजर्व की गई थी। मास्टर प्लान के नाम पर रिजर्व जमीन में से 185 एकड़ जमीन को मुक्त कर दिया गया है।

जिस जमीन की यहां बात हो रही है, वो सिंहस्थ के सैटेलाइट टाउन की है। दरअसल, सिंहस्थ के दौरान यहां देश-दुनिया से आने वाले संतों की व्यवस्था के लिए अलग-अलग अस्थाई शहर बनाए जाते हैं। इन्हें सैटेलाइट टाउन कहा जाता है। उज्जैन शहर में एंट्री से पहले जहां से ट्रैफिक डायवर्ट किया जाता है, वहां ये सैटेलाइट टाउन बनते हैं। सिंहस्थ 2016 के लिए अधिग्रहीत की गई निजी जमीनों के लिए सरकार ने अलग-अलग तरह से कुल 26.27 लाख रुपए मुआवजा दिया था। पड़ती भूमि के लिए 10 हजार रुपए, एक फसल देने वाली जमीन के लिए 20 हजार रुपए, दो फसल के लिए 40 हजार रुपए और व्यावसायिक उपयोग की भूमि के लिए 50 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर का मुआवजा निर्धारित था।

ये तो वो जमीन है, जो सिंहस्थ के लिए नोटिफाई थी, लेकिन खेल सिर्फ इसी में नहीं हुआ है। उज्जैन से लगे डांडिया, मेंडिया, शक्करवासा, जीवनखेड़ी, सावराखेड़ी और दाउदखेड़ी गांवों की कृषि भूमि को भी आवासीय में बदल दिया गया है। कांग्रेस नेता रवि राय ने शासन को जो शिकायत की है, उसमें उन्होंने मास्टर प्लान में जिन गांवों की जमीन को एग्रीकल्चर से आवासीय करने की लिस्ट दी है, उसमें ये नाम शामिल हैं। इस लिस्ट में उन जमीन मालिकों का जिक्र है, जिनकी जमीन बिना शुल्क चुकाए ही आवासीय हो जाएगी। इस लिस्ट को आप जब पढ़ेंगे, तो आप खुद ही समझ जाएंगे कि कैसे शहर के प्रभावशाली लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए चुनिंदा जमीन मालिकों की जमीन का लैंडयूज बदला गया है। इस सूची में भी उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव, उनकी पत्नी सीमा यादव, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री का दर्जा) विभाष उपाध्याय और उनकी पत्नी कविता उपाध्याय के अलावा शहर के नामी बिल्डरों व भाजपा से जुड़े लोगों की जमीनों लैंडयूज चेंज किए जाने का उल्लेख है।

भोपाल में मिट्टी धंसने से दो महिलाओं की मौत

चार महिलाओं को बचाया, घर पोतने के लिए पीली मिट्टी खोदने के दौरान हादसा

भोपाल। भोपाल में शनिवार सुबह मिट्टी धंसने से दो महिलाओं की मौत हो गई। वहीं, चार महिलाओं को बचा लिया गया। ये सभी महिलाएं घर पोतने के लिए तालाब किनारे खुदाई कर रही थीं, तभी पीली मिट्?टी का ढेर उनके ऊपर आ गिरा। घटना सूखी सेवनियां इलाके के बालमपुर गांव की है।

स्क्क देहात किरण केरकता के मुताबिक, सूचना मिलने के दो घंटे के अंदर पुलिस और स्ष्ठश्चऋ्न की टीम ने चार महिलाओं को रेस्क्यू कर लिया। एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी ने अस्पताल जाते समय दम तोड़ दिया। मृतक महिलाओं के नाम फिरोजा बी (35) पत्नी अफजल और पिंकी आदिवासी (16) पुत्री गुड्?डू आदिवासी बताए गए हैं। दोनों ही बालमपुर की रहने वाली हैं। महिलाएं इस तालाब के किनारे से पीली मिट्?टी खोद रही थीं, तभी अचानक से मिट्?टी का बड़ा ढेर उनके ऊपर गिर गया। 6 महिलाएं दब गईं। 2 को बचाया नहीं जा सका। महिलाएं इस तालाब के किनारे से पीली मिट्?टी खोद रही थीं, तभी अचानक से मिट्?टी का बड़ा ढेर उनके ऊपर गिर गया। 6 महिलाएं दब गईं। 2 को बचाया नहीं जा सका।भोपाल कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि भोपाल-रायसेन के बॉर्डर से लगे गांव बालमपुर में 4 महिलाएं तालाब से मिट्टी खोद रही थी। अचानक मिट्टी धंसने से मलबे में दब गईं। इसमें दो महिलाओं की मौत हो गई जबकि दो को सुरक्षित निकाला गया। मृतकों के परिवार को 4 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी। प्रशासनिक अमला मौके पर मौजूद है। राहत और बचाव कार्य के लिए एसडीईआरएफ की टीम जुटी हुई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम भी वहां तैनात की गई है।

बताया जा रहा है कि महिलाएं 7 से 8 फीट तक गहरा गड्?ढा खोद चुकी थीं। इसके बाद दो महिलाएं गड्?ढे में उतरकर गिली मिट्?टी खोदने लगीं। वे गीली मिट्?टी खोद-खोदकर ऊपर खड़ी महिलाओं को देती जा रही थीं। गड्?ढा खोखला हो चुका था और भरभराकर इसकी मिट्?टी ढह गई। ऊपर खड़ी महिलाएं भी नीचे आ गिरीं और ऊपर से मिट्?टी का मलबा।

हनीट्रैप का मास्टर माइंड ट्रांसजेंडर

ग्वालियर। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया है। यहां पुलिस ने आरोपियों की रिमांड मांगी है। सफेद कुर्ते में आरोपी अरविंद, दाढ़ी रखे और सफेद शर्ट में आरोपी हर्षित। ग्वालियर में इंजीनियर को हनीट्रैप में फंसाने वाली गैंग का सरगना ट्रांसजेंडर है। हर्षित नाम का मुख्य आरोपी कभी हर्षिता हुआ करती थी। बाद में उसने जेंडर चेंज करवा लिया। जल्दी पैसे कमाने के लालच में महिला और अन्य युवक के साथ मिलकर हनीट्रैप गैंग बना ली। इसके बाद ब्लैकमेलिंग शुरू कर दी। केमिकल इंजीनियर ने 7 जून को थाने में शिकायत की थी। गुरुवार को पुलिस ने घेराबंदी कर कंपू क्षेत्र से एक महिला, एक ट्रांसजेंडर व अन्य पुरुष को पकड़ा। आरोपी हर्षित, उर्मिला और अरविंद हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने यह खुलासा पुलिस के सामने किया है। ग्वालियर में डीडी नगर क्षेत्र में केमिकल इंजीनियर रहते हैं। वह मालनपुर स्थित मेडिको कंपनी में बतौर इंजीनियर कार्यरत हैं। 15 मई को उनके मोबाइल पर कॉल आया। कॉल रिसीव करते ही एक युवती से बात हुई। युवती ने अपना नाम गुड़िया राठौर बताया। इसके बाद इंजीनियर और गुड़िया के बीच वॉट्सऐप पर चैटिंग शुरू हुई। 31 मई को युवती ने इंजीनियर को कॉल कर दाल बाजार तिराहा पर मिलने बुलाया।

शादी वाले घर में विस्फोट, 3 बच्चों की मौत

भिंड। भिंड में शनिवार सुबह 6.30 बजे एक मकान में विस्फोट होने से तीन बच्चों की मौत हो गई। घटना गोरमी थाना इलाके के दले का पुरा गांव की है। धमाके के बाद मकान में आग लग गई। इसकी चपेट में तीन मासूम भाई-बहन, दंपती और दो महिला रिश्तेदार आ गईं। घायलों को गोरमी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां से दंपती को ग्वालियर रेफर किया गया है। जिस घर में हादसा हुआ, वहां परिवार के छोटे बेटे की शादी की तैयारियां चल रही थीं। धमाका इतना तेज था कि मकान की छत उड़ गई। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने हादसे में मृतक बच्चों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए एवं घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। स्ष्ठह्क्क राजेश राठौर ने बताया कि परिवार के मुताबिक घरेलू गैस सिलेंडर में रिसाव के कारण हादसा हुआ। घटना की विस्तृत जांच की जा रही है। स्न्नस्रु टीम भी छानबीन कर रही है, इसके बाद ही साफ हो पाएगा कि हादसा कैसे हुआ।

भिंड स्क्क मनीष खत्री ने बताया कि हादसे में अरविंद कडेरे के बेटे कार्तिक (4), बेटी भावना (10) और उसकी बहन पूजा कडेरे की बेटी परी (4) की जान चली गई। अरविंद के पिता अखिलेश कडेरे (50) पुत्र रुस्तम, मां विमला (45), पत्नी मीरा कडेरे (30) और बहन पूजा पत्नी नंदू कडेरे घायल हैं। अखिलेश और विमला को गंभीर हालत में ग्वालियर रेफर किया गया है।

बताया जा रहा है कि अखिलेश कडेरे के छोटे बेटे सतेंद्र का 17 जून को लगुन-फलदान आना है। 22 जून को लहार के कीरतपुरा में बारात जानी है। परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं। पूजा भी 4 साल की बेटी परी के साथ मायके आई थी। उसका ससुराल ग्राम खिरला, थाना बाह जैतपुरा (आगरा) में है। सुबह मीरा चाय-नाश्ता बना रही थी। इसी दौरान हादसा हुआ।

ग्वालियर में युवक की हत्या

ग्वालियर। ग्वालियर के घासमंडी मंगलेश्वर रोड पर शुक्रवार रात एक युवक को घेरकर कुछ लोगों ने ताबड़तोड़ गोलियां चलाई हैं। युवक पर गोलियां बरसाने के बाद हमलावर फरार हो गए। युवक को दो गोलियां लगी हैं और गंभीर हालत में उसे फूलबाग अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। हालत और बिगड़ने पर उसे जेएएच रैफर किया गया, जहां देर रात उसने दम तोड़ दिया है।घटना का पता चलते ही पुलिस घटना स्थल और अस्पताल पहुंच गई है। हमलावर अभी अज्ञात हैं, लेकिन मृतक के ममेरे भाई ने हमलावर एक लड़की के भाई व चाचा बताए हैं। इस लड़की से मृतक का मेलजोल था। दो बार उसे लेकर भाग चुका है। 22 जून को लड़की की शादी है। उसी को रुकवाने का प्रयास मृतक कर रहा था। इससे पहले कई बार वह थाने में राजीनामा कर चुका है। ग्वालियर के घासमंडी निवासी 23 वर्षीय यश राठौर शुक्रवार रात को अपने दोस्त व रिश्तेदार नरेन्द्र के घर होते हुए अपने घर वापस जा रहा था। अभी वह मंगलेश्वर रोड से गुजर रहा था कि तभी उसे तीन लोगों ने घेरकर मारपीट की और विरोध करने पर गोलियां चला दीं।

दमोह के गंगा-जमना स्कूल संचालक का भोपाल मे भी कारोबार:%

श्रीराम नाम से बॉयज हॉस्टल, कपड़ों का शोरूम भी मिला

भोपाल। हिंदू छात्राओं को हिजाब पहनाने और धर्मांतरण के आरोप से घिरे दमोह के गंगा जमना स्कूल के संचालक इदरीश खान का कारोबार भोपाल तक फैला है। राजधानी के अशोका गार्डन इलाके में उसका गंगा जमना नाम से ही बहुमंजिला इमारत में बॉयज हॉस्टल, गेस्ट हाउस और रेडीमेड गारमेंट्स का शोरूम चल रहा है। इस पर भोपाल नगर निगम ने नोटिस जारी कर कई बिंदुओं पर जानकारी मांगी है। दमोह के गंगा जमना स्कूल पर लगे गंभीर आरोपों के बाद मुख्यमंत्री ने स्कूल संचालक की संपत्ति की जांच के निर्देश दिए थे। इसके बाद उसकी संपत्ति खंगाली जा रही है। शुक्रवार को जीएसटी समेत 5 विभागों ने दमोह में इदरीश खान के ठिकानों पर दबिश दी थी। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने ट्वीट कर लिखा - गंगा जमना ग्रुप द्वारा राजधानी में हॉस्टल संचालित करने की सूचना मिली है। इसका नाम श्री राम हॉस्टल होने की जानकारी मिल रही है। प्रबंधक भी अपना नाम उपाध्याय बता रहा है। अशोका गार्डन इलाके में ही गंगा जमना नाम से रेडीमेड गारमेंट्स का शोरूम भी संचालित है। अशोका गार्डन इलाके में ही गंगा जमना नाम से रेडीमेड गारमेंट्स का शोरूम भी संचालित है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो के ट्वीट के बाद भोपाल नगर निगम की टीम हरकत में आई। पता चला कि गंगा जमना ग्रुप का हॉस्टल एवं गेस्ट हाउस और कपड़े का शोरूम संचालित हो रहा है। हॉस्टल 'श्री राम बॉयज हॉस्टल' नाम से संचालित किया जा रहा है। निगम की टीम शनिवार को अशोका गार्डन क्षेत्र में पहुंची, लेकिन यहां कोई नहीं मिला। अंदर कमरों में ताला लगा था। यहां फर्स्ट फ्लोर पर हॉस्टल संचालित है। हॉस्टल के अंदर उर्दू में लिखे कुछ पोस्टर भी चिपके मिले हैं। नगर निगम के अधिकारियों को वहां कोई नहीं मिला तो वे हॉस्टल पर नोटिस चस्पा कर आए। यह नोटिस बिल्डिंग के मालिक मोहम्मद राशिद के नाम से है। नोटिस में बिल्डिंग की परमिशन, संपत्ति कर संबंधी, निर्माण कार्य पूरा होने, बिल्डिंग किराए पर देने और किराएदार की जानकारी समेत दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए कहा है।

'मेरा 50 बार किडनैप हुआ, 6-7 हुई शादियां, तीन बार मौत को दी मात', जानिए अविका ने क्यों बोला ऐसा...

छोटे पर्दे की एक्ट्रेस अविका कौर ने मेहनत के दम अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। बालिका वधू में उनके अभिनय को खूब सराहा गया। अविका ने छोटी आनंदी के रूप में घर घर में पहचान बनाई। ससुराल सिमर का में भी उन्होंने काफी लंबे वक्त तक काम किया। इस सीरियल को लोगों का खूब प्यार मिला। इस सीरियल में उनके रोली के किरदार ने लोगों के दिलों को जीता।

हाल ही में अविका ने एक इंटरव्यू के दौरान सुसराल सिमर का से जुड़ी बातें की। उन्होंने इस सीरियल के कुछ सीन्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी। जब अविका पूछा से गया कि क्या उन्होंने अपने करियर में कोई ऐसा रोल किया है, जिसने उनके अंदर झुंझलाहट पैदा कर दी हो कि उन्होंने वो किरदार क्यों किया? इस पर एक्ट्रेस ने 'ससुराल सिमर का' का जिक्र करते हुए अपने कैरेक्टर रोली का नाम लिया। अविका ने कहा कि ससुराल सिमर का में रोली के साथ बहुत कुछ हुआ। मैंने भूत से कहा कि कानून अपने हाथ में मत लो। मेरे पेट में त्रिशूल घोंपा गया। उसमें इंपॉसिबल चीजें हो रही थीं। तीन बार तो मैं मरकर वापस आई हूं। 50 बार किडनैप हो चुकी हूं। 6-7 शादियां हुई। उस शो में मेरे साथ बहुत कुछ हुआ है।

कायरव की शादी में नहीं होगी आरोही की एंट्री, अक्षरा को करेगा सपोर्ट

कायरव रात को अपनी बहन को फोन करेगा और कहेगा की मैंने आपकी शादी की दुआएं मांगी है, आप मुझे न आने की बात कह रहे हो, इस बात को सुनते ही सभी परिवार वाले हैरान हो जाएंगे। सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है में मुस्कान और कायरव की शादी की तैयारी चल रही है, इसी समय अक्षरा पूरी जिम्मेदारी के साथ इन लोगों की शादी की तैयारी में लगी हुई है. अक्षरा का कहना है कि शादी में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। वहीं इस शादी की खास बात यह है कि कायरव की बहन आरोही नहीं आ रही है, कायरव शादी में आने से उसे साफ मना कर देगा. बता दें कि दिखाया जाएगा कि अबीर अभिनव और कायरव बैठकर शादी की लिस्ट बना रहे होंगे उसी वक्त कायरव कहेगा की आरोही इस शादी में नहीं आएगी. जिसे सुनते ही सभी लोह हैरान हो जाएंगे। इसी बीच कायरव रात को अपनी बहन को फोन करेगा और कहेगा की मैंने आपकी शादी की दुआएं मांगी है, आप मुझे न आने की बात कह रहे हो, इस बात को सुनते ही सभी परिवार वाले हैरान हो जाएंगे, वह कहेगा मुझे पता है कि तुम्हें यहां आकर सिर्फ दर्द ही मिलेगा इसलिए मैं तुम्हें यहां आने से मना कर रहा हूं। वह कहेगा कि इसिलिए कह रहा हूं कि तेरा मन करें तब ही आना ऐसे आने की कोई जरुरत नहीं है, आरोही कहेगी मुझे समझाने के लिए थैक्यूं मैं अगर नहीं आ पाई तो अक्षरा को नेक दे देना।

अभिषेक बच्चन ने फिर मिलाया सुजॉय घोष से हाथ, थ्रिलर फिल्म को लेकर चल रही बातचीत

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने में सफल रहे हैं। अभिनेता को दसवीं में उनकी अदाकारी के लिए सराहा गया तो ब्रीद इंटू द शैडो के दूसरे सीजन में भी वह कमाल के लगे। इन दिनों अभिनेता रेमो डिसूजा के साथ डांसिंग डैड की शूटिंग में व्यस्त चल रहे है। इसके बीच अब खबर आ रही है कि वह फिल्म निर्माता सुजॉय घोष के साथ एक फिल्म के लिए फिर हाथ मिला रहे हैं। सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार, उन्होंने हाल ही में इस परियोजना पर बातचीत करना शुरू कर दिया है। दोनों ही इस थ्रिलर फिल्म के लिए साथ आना चाहते हैं। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा तो इस साल के अंत तक इसकी शूटिंग भी शुरू हो जाएगी। सूत्र के मुताबिक, अंतिम स्क्रिप्ट पर अभी काम किया जा रहा है, जबकि सुजॉय बाकी चीजों पर भी साथ में ही काम कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि अभिषेक और सुजॉय दोनों पहले भी साथ में काम कर चुके हैं और ऐसे में दोबारा साथ आने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने 2021 में आई क्राइम-थ्रिलर बॉब बिस्वास में साथ काम किया था। दीया अन्नपूर्णा घोष के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अभिषेक ने मुख्य भूमिका निभाई थी। सुजॉय ने इसकी कहानी और पटकथा लिखने के साथ फिल्म का निर्माण किया था, वहीं शाहरुख खान भी इस फिल्म के निर्माता थे। बीते साल आई दसवीं का भी सीक्वल लाने की तैयारी है और इसका नाम बारहवीं बताया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, सीक्वल पर काम चल रहा है और जल्द ही फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो जाएगी। निर्देशक तुषार जलोटा फिल्म की पटकथा पर काम कर रहे हैं। बता दें कि दसवीं में अभिषेक के साथ यामी गौतम और निम्रत कौर मुख्य भूमिका में नजर आई थीं, लेकिन सीक्वल में कौन होगा इसके बारे में जानकारी नहीं है। अभिषेक आर बाल्की की घूमर की शूटिंग पूरी कर चुके हैं, जिसमें वह सैयमी खेर के साथ नजर आएंगे। इसके बाद वह डांसिंग डैड में नोरा फतेही के साथ दिखाई देंगे। इसके अलावा वह अजय देवगन की भोला के दूसरे भाग और साजिद नाडियावाला की हाउसफुल 5 में नजर आ सकते हैं। उन्होंने निर्देशक शूजित सरकार के साथ भी उनकी अगली फिल्म के लिए सहयोग किया है, जिसके अगस्त में शुरू होने की उम्मीद की जा रही है।

रणबीर कपूर की एनिमल तय तारीख पर होगी रिलीज, इन फिल्मों से होगी टक्कर

अभिनेता रणबीर कपूर की आगामी फिल्म एनिमल की लंबे समय से चर्चा हो रही है। यह फिल्म 11 अगस्त में रिलीज होगी। हालांकि, पिछले कुछ वक्त से ऐसी चर्चा थी कि एनिमल की रिलीज तारीख को आगे बढ़ा दिया है, लेकिन इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। इस खबर की पुष्टि खुद जाने-माने समीक्षक तरण आदर्श ने की है। बता दें, 11 अगस्त को ही ओह माय गॉड 2 और गदर 2 भी रिलीज हो रही हैं। फिल्म एनिमल का निर्माण भूषण कुमार की टी-सीरीज और इसका लेखन और निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा ने किया है। निर्माताओं का दावा है कि इसमें रणबीर ऐसे अंदाज में दिखेंगे, जैसे उन्हें पहले कभी नहीं देखा गया। एनिमल में रणबीर के साथ अनिल कपूर नजर आएंगे। इनके अलावा फिल्म में बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी भी महत्वपूर्ण किरदार निभाते दिखेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, यह फिल्म एक बाप-बेटे के रिश्ते पर आधारित है।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .